To,

The Principal Secretary
Raj Bhawan Bihar,
Patna

Sub: ` Regarding submission of proposed course uniform syllabus of B.A. (Hons.) Maithli for 1st to 8th Semester of 4-Year Under Graduate Course, (CBCS).

Reference :- Letter no. BSU (UGC) – **02/2023-1457/GS(I)** Dated 14.09.2023

Sir,

In compliance with your letter no. BSU (UGC) – 02/2023-1457/GS(I) Dated 14.09.2023 followed by above mentioned letter no, we are submitting the proposed course syllabus of **B.A. (Hons) Sanskrit** for 1st to 8th Semester of 4-Year Under Graduate Course, (CBCS) as per UGC Regulations.

Yours Sincerely,

Dr. Aruna Chaudhary
Associate Professor,
H.O.D., Patna University
Mobile No..- 8789103252

Dr. Hira Manadal
Rtd. Associate Professor,
H.O.D., Patna University
Mob.- 9430034672

Prof. Daman Kumar Jha
Professor & Head,
Univ. Deptt. of Maithli,
L.N.M.U, Darbhanaga
Mob.- 7004760408

Dr. Satyendra Kumar Jha
Assistant Professor ,
Deptt. Of Maithli,
C.M. Science College,
L.N.M.U., Darbhanga
Mob.- 9835684869

Prof. (Dr.) Shiv Pd. Yadav
Deptt. of Maithli,
Marwari College, Bhagalpur,
T.M.B.U, Bhagalpur
Mob.- 6200179776

Rtd. Prof. (Dr.) Keshkar Thakur
P.G. Dept. of Maithli,
T.M.B.U, Bhagalpur
Mob.- 9430457204

Dr. Indudhar Jha,
Prof. & Head, P.G. Deptt. of Maithli, B .R.A., Bihar University, Muzaffarpur
Mobile No. 9334911593

Prof. Ranjit Kumar Singh
Prof. P.G. Centre, Saharsa,
B.N.Mandal University,
Madhepura
Mobile No. 9471408611

Dr. Sanjay Kumar Mishra
Prof. & H.O.D. Maithli,
P.G. Centre, Saharsa,
B.N. Mandal University, Madhepura
Mobile No. 8789856691

Maithili

MJC-01

Credits -06 Marks- 100

मैथिली साहित्यक आदिकाल एवं मध्यकाल

Semester- I

प्राचीन भारतीय भाषा–साहित्य मध्य मैथिलीक अत्यंत समृद्धशाली परम्परा अछि। तेरहम शताब्दीक वर्णरत्नाकर भारतक समस्त आधुनिक भाषा मध्य प्राचीनतम गद्य ग्रंथ थिक। मैथिली साहित्यक मध्यकालीन नाटक पूर्वोत्तर भारतीय साहित्यक गौरव थिक। एहि पत्रमे मैथिली साहित्यक आदिकालीन विषय–वस्तु तथा मध्यकालीन नाट्य साहित्यक विविध पक्षक अध्ययन कएल जाएत :–

इकाइ 01 –	व्याख्यान
• काल विभाजन • आदिकालीन सामग्री • प्रमुख सिद्धाचार्य • डाक वचन	L - T - P 10 – 02 - 00
इकाइ 02– • ज्योतिरीश्वरक जीवन परिचय • वर्णरत्नाकर साहित्यक परिचय • वर्णरत्नाकर (प्रथम एवं द्वितीय कल्लोल मात्र) • ज्योतिरीश्वरक अन्य साहित्य	13 – 02 – 00
इकाइ 03 – नेपालक मैथिली साहित्य • उद्भव • परम्परा • वैशिष्ट्य हरगौरी विवाह नाटक • कथावस्तु • चरित्र चित्रण • नाटककार जगज्योतिर्मल्ल	12 – 02 – 00

इकाइ 04– आसामक मैथिली नाटक • उद्‌भव • परम्परा • वैशिष्ट्य रामविजय नाटक • कथावस्तु • चरित्र चित्रण • नाटककार शंकरदेवक परिचय	12 – 02 – 00
इकाइ 05– मिथिलाक मैथिली नाटक • उद्‌भव • परम्परा • वैशिष्ट्य • कीर्तनियाँ नाटक वा नाच पारिजात हरण नाटक • कथावस्तु • चरित्र चित्रण • नाटककार उमापतिक परिचय	13 – 02 – 00
इकाइ 06– • आदिकालक सामाजिक, सांस्कृतिक स्थिति • आदिकालक धार्मिक, आर्थिक स्थिति • मध्यकालक सामाजिक, सांस्कृतिक स्थिति • मध्यकालक धार्मिक, आर्थिक स्थिति	12– 02 – 00
Total	72+12+00=84

निर्धारित ग्रंथ

1.वर्णरत्नाकर, ज्योतिरीश्वर, प्र. – मैथिली अकादमी, पटना
2.हरगौरी विवाह, रामदेव झा, प्र. – नूतन पुस्तक केन्द्र, दरभंगा
3.राम विजय – शंकरदेव, प्र. – नूतन पुस्तक केन्द्र, दरभंगा
4.पारिजातहरण, उमापति, प्र.– मैथिली अकादमी, पटना

सहायक ग्रंथ

1.मैथिली साहित्यक इतिहास, जयकान्त मिश्र, प्र. – साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
2.मैथिली साहित्यक इतिहास, दुर्गानाथ झा 'श्रीश' प्र. – मिथिला पुस्तक केन्द्र, दरभंगा
3.मैथिली साहित्यक आलोचनात्मक इतिहास, दिनेश कुमार झा, प्र. – मैथिली अकादमी, पटना
4.मैथिली साहित्यक इतिहास, मायानन्द मिश्र, प्र. – किसुन संकल्प लोक, सुपौल

5.मिथिलाक सामाजिक इतिहास, गोविन्द झा, प्र.– साहित्यिकी, सरिसबपाही, मधुबनी
6.वर्णरत्नाकर काल : मिथिलाक स्वर्णकाल, प्रो. चन्द्रधर झा, प्रतिभा प्रकाशन, मुज.
7.वर्णरत्नाकरक काव्यशास्त्रीय अध्ययन, कांचीनाथ झा 'किरण'
8.मैथिली नाटकक उद्‌भव ओ विकास, प्रो. लेखनाथ मिश्र, शेखर प्रकाशन, पटना
9.आधुनिक मैथिली नाटकमे चरित्र श्रृष्टि, डॉ. इंदिरा झा, स्वाती प्रकाशन, पटना
10. डाक दृष्टि, मोहन भारद्वाज, प्र.– मैलोरंग, नई दिल्ली
11. डाक, घाघ आ भड्डरी, महेन्द्र मलंगिया, प्र.– मलंगिया आर्ट्स, नई दिल्ली
12. विद्यापति कालीन मिथिला, इन्द्रकान्त झा, प्र.– मैथिली अकादमी, पटना
13.अनुशीलन अवबोध, बासुकीनाथ झा, प्र.– रश्मि प्रकाशन, राजेन्द्रनगर, पटना
14. अंकीया नाट विवेचन, नवीनचन्द्र मिश्र, प्र.– मिथिला दर्शन प्राइवेट लिमिटेड, कलकत्ता
15.नेपालक मैथिली नाट्य परम्परा, कुलानन्द झा, प्र.– मिथिला रिसर्च सोसाइटी, दरभंगा
16. मैथिली साहित्यक रूपरेखा – संम्पादक – बासुकीनाथ झा, चेतना समिति, पटना

MJC-01

विषयः–**मैथिली**
प्रश्न पत्रक रूपरेखा

पूर्णक –100
सैद्धान्तिक –70
सी.आइ.ए. –30

खण्ड–अ– अनिवार्य वस्तुनिष्ठ / बहुविकल्पीय कोटिक 10 प्रश्न रहत आ प्रत्येक 02 अंकक होएत। 10x02=20

खण्ड–ब– लघूत्तरीय 06टा प्रश्न पूछल जाएत, जाहिमेसँ 04 टाक उत्तर दातव्य होएत। प्रत्येक प्रश्न 05 अंकक होएत। 04x05=20

एहि खण्डमे व्याख्यात्मक कोटिक प्रश्न सेहो राखल जा सकैत अछि। एहना स्थितिमे 02 टा लघूत्तरीय आ 02 टा व्याख्यात्मक प्रश्नक उत्तर दातव्य होएत। प्रत्येक प्रश्न 05–05 अंकक होएत। जाहिमे 02टा व्याख्यात्मक लेल 03टा आ 02टा लघूत्तरीय लेल 03टा प्रश्न पूछल जाएत।

खण्ड–स– दीर्घोत्तरीय 05टा प्रश्न पूछल जाएत, जाहिमेसँ 03 टाक उत्तर दातव्य होएत। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकक होएत। 03x10=30

Maithili

MIC-01

Credits -03 Marks- 100

मैथिली साहित्यक आदिकाल एवं मध्यकाल

प्राचीन भारतीय भाषा–साहित्य मध्य मैथिलीक अत्यंत समृद्धशाली परम्परा अछि। तेरहम शताब्दीक वर्णरत्नाकर भारतक समस्त आधुनिक भाषा मध्य प्राचीनतम गद्य ग्रंथ थिक। मैथिली साहित्यक मध्यकालीन नाटक पूर्वोत्तर भारतीय साहित्यक गौरव थिक। एहि पत्रमे मैथिली साहित्यक आदिकालीन विषय–वस्तु तथा मध्यकालीन नाट्य साहित्यक विविध पक्षक अध्ययन कएल जाएत :–

इकाइ 01 –	व्याख्यान
• काल विभाजन • आदिकालीन सामग्री • ज्योतिरीश्वर ओ हुनक वर्णरत्नाकर	L - T - P 08 – 02 - 00
इकाइ 02 – नेपालक मैथिली साहित्य • नेपालक मैथिली नाट्य परम्परा • हरगौरी विवाह नाटक, परिचय ओ नाटककार जगज्योतिर्म्मल्ल	09 – 02 – 00
इकाइ 03– आसामक मैथिली नाटक • आसामक मैथिली नाट्य परम्परा • रामविजय नाटक एवं नाटककार शंकरदेवक परिचय	08 – 02 – 00
इकाइ 04– मिथिलाक मैथिली नाटक • मिथिलाक मध्यकालीन नाट्य परम्परा • पारिजात हरण नाटक एवं नाटककारक परिचय	09– 02 – 00
Total	34+08+00=42

निर्धारित ग्रंथ

1. वर्णरत्नाकर, ज्योतिरीश्वर, प्र. – मैथिली अकादमी, पटना
2. हरगौरी विवाह, रामदेव झा, प्र. – नूतन पुस्तक केन्द्र, दरभंगा
3. राम विजय – शंकरदेव, प्र. – नूतन पुस्तक केन्द्र, दरभंगा

सहायक ग्रंथ

1. मैथिली साहित्यक इतिहास, जयकान्त मिश्र, प्र. – साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
2. मैथिली साहित्यक इतिहास, दुर्गानाथ झा 'श्रीश' प्र. – मिथिला पुस्तक केन्द्र, दरभंगा
3. मैथिली साहित्यक आलोचनात्मक इतिहास, दिनेश कुमार झा, प्र. – मैथिली अकादमी, पटना
4. मैथिली साहित्यक रूपरेखा – संम्पादक – बासुकीनाथ झा, चेतना समिति, पटना

MIC-01

विषयः–मैथिली
प्रश्न पत्रक रूपरेखा

पूर्णांक –100
सैद्धान्तिक –70
सी.आइ.ए. –30

खण्ड–अ– अनिवार्य वस्तुनिष्ठ / बहुविकल्पीय कोटिक 10 प्रश्न रहत आ प्रत्येक 02 अंकक होएत। 10x02=20

खण्ड–ब– लघूत्तरीय 06टा प्रश्न पूछल जाएत, जाहिमेसँ 04 टाक उत्तर दातव्य होएत। प्रत्येक प्रश्न 05 अंकक होएत। 04x05=20

एहि खण्डमे व्याख्यात्मक कोटिक प्रश्न सेहो राखल जा सकैत अछि। एहना स्थितिमे 02 टा लघूत्तरीय आ 02 टा व्याख्याक प्रश्नक उत्तर दातव्य होएत। प्रत्येक 05–05 अंकक होएत। जाहिमे 02टा व्याख्यात्मक लेल 03टा आ 02टा लघूत्तरीय लेल 03टा प्रश्न पूछल जाएत।

खण्ड–स– दीर्घोत्तरीय 05टा प्रश्न पूछल जाएत, जाहिमेसँ 03 टाक उत्तर दातव्य होएत। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकक होएत। 03x10=30

Maithili

MJC-02

Credits -06

Marks- 100

लोक साहित्य

Semester- II

मैथिली लोक–साहित्य, मैथिली साहित्यक आधार भूमि थिक। अज्ञात–अपरिचित व्यक्ति द्वारा एकर सृजन भेल आ मौखिक परम्परामे पोषित–संरक्षित होइत रहल अछि। विविध रूपक लोक–साहित्य, काल–क्रमेण लिखित स्वरूप सेहो ग्रहण कएलक अछि। मैथिली लोक–साहित्यक आरंभ, प्रभेद आ एहि क्षेत्रक काज कएनिहार साहित्यकार लोकनिक अवदान अमूल्य अछि। एहि प्रसंग प्रस्तुत पत्रमे अध्ययन कएल जाएत :–

इकाइ – 01	व्याख्यान
• मैथिली लोक साहित्यक परिचय • मैथिली लोक साहित्यक वर्गीकरण	L - T - P 12 – 02 - 00
इकाइ – 02 • मैथिली लोकगीतक प्रभेद एवं वैशिष्ट्य • मैथिली लोकगाथाक वैविध्य एवं वैशिष्ट्य	12 – 02 – 00
इकाइ – 03 • मैथिली लोक नाट्यक प्रभेद एवं वैशिष्ट्य • मिथिलाक लोकदेव, लोकदेवीक विवेचन	12 – 02 – 00
इकाइ – 04 • लोरिक विजय उपन्यासक कथावस्तु, चरित्र–चित्रण, भाषा–शैली • उपन्यासकारक परिचय	12 – 02 – 00

इकाइ – 05 • मिथिला लोक कथा संचय • लोकोक्ति	12 – 02 – 00
इकाइ – 06 • मिथिला लोक संस्कृति • लोककला ओ एकर विकास	12 – 02 – 00
Total	72+12+00=84

संदर्भ ग्रंथ :

1. लोकगाथा विवेचन, राजेश्वर झा, प्र.– बिहार रिसर्च सोसाइटी
2. मैथिली लोकगाथा अनुशीलन – प्रफुल्ल कुमार सिंह 'मौन'
3. मैथिली दलित लोकगाथा ओ संस्कृति, सम्पादक – डॉ. शिवप्रसाद यादव– साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
4. सलहेस लोगाथा – महेन्द्र नारायण राम – साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
5. ज्योतिलोक महागाथा, संपादक – डॉ. शिवप्रसाद यादव– साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
6. मैथिली लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति – संपादक – रमानन्द झा 'रमण'

MJC-02

विषयः–**मैथिली**
प्रश्न पत्रक रूपरेखा

पूर्णक –100
सैद्धान्तिक –70
सी.आइ.ए. –30

खण्ड–अ– अनिवार्य वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पीय कोटिक 10 प्रश्न रहत आ प्रत्येक 02 अंकक होएत। 10x02=20

खण्ड–ब– लघूत्तरीय 06टा प्रश्न पूछल जाएत, जाहिमेसँ 04 टाक उत्तर दातव्य होएत। प्रत्येक प्रश्न 05 अंकक होएत। 04x05=20

एहि खण्डमे व्याख्यात्मक कोटिक प्रश्न सेहो राखल जा सकैत अछि। एहना स्थितिमे 02 टा लघूत्तरीय आ 02 टा व्याख्याक प्रश्नक उत्तर दातव्य होएत। प्रत्येक 05–05 अंकक होएत।

जाहिमे 02टा व्याख्यात्मक लेल 02टा आ 02टा लघूत्तरीय लेल 03टा प्रश्न पूछल जाएत।

खण्ड–स– दीर्घोत्तरीय 05टा प्रश्न पूछल जाएत, जाहिमेसँ 03 टाक उत्तर दातव्य होएत।
प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकक होएत। 03x10=30

Maithili

MIC-02

Credits -03 Marks- 100

लोक साहित्य

Semester- II

मैथिली लोक–साहित्य, मैथिली साहित्यक आधार भूमि थिक। अज्ञात–अपरिचित व्यक्ति द्वारा एकर सृजन भेल आ मौखिक परम्परामे पोषित–संरक्षित होइत रहल अछि। विविध रूपक लोक–साहित्य, काल–क्रमेण लिखित स्वरूप सेहो ग्रहण कएलक अछि। मैथिली लोक–साहित्यक आरंभ, प्रभेद आ एहि क्षेत्रक काज कएनिहार साहित्यकार लोकनिक अवदान अमूल्य अछि। एहि प्रसंग प्रस्तुत पत्रमे अध्ययन कएल जाएत :–

इकाइ – 01	व्याख्यान
• मैथिली लोक साहित्यक परिचय ओ स्वरूप • मैथिली लोक साहित्यक वर्गीकरण	L - T - P 10 – 02 - 00
इकाइ – 02 • मैथिली लोक साहित्यमे लोकदेव–लोकदेवीक विवेचन • लोरिक विजय उपन्यासक कथावस्तु, चरित्र–चित्रण, भाषा–शैली उपन्यासकारक परिचय	08 – 01 – 00

इकाइ – 03 • मैथिली लोक नाट्य, जट–जटिनक विविध पक्ष • लोकोक्ति ओ फकड़ा	08 – 01 – 00
इकाइ – 04 • मणिपद्म, अणिमा सिंह, प्रफुलल कुमार सिंह 'मौन' ओ विश्वेश्वर मिश्रक लोक साहित्यक क्षेत्रमे अवदान	10 – 02 – 00
Total	36+06= 42

संदर्भ ग्रंथ :

1. मैथिली लोक सांहत्य–स्वरूप ओ सौंदर्य, डॉ. रामदेव झा, मिथिला रिसर्च सोसाइटी, कबिलपुर, लहेरियासराय
2. मैथिली लोकगाथा – डा. विश्वेश्वर मिश्र
3. मैथिली लोक साहित्यक भूमिका – डॉ. जयकान्त मिश्र, संपादक– पंचानन मिश्र

MIC-02

विषय:–**मैथिली**
प्रश्न पत्रक रूपरेखा

पूर्णांक –100
सैद्धान्तिक –70
सी.आइ.ए. –30

खण्ड–अ– अनिवार्य वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पीय कोटिक 10 प्रश्न रहत आ प्रत्येक 02 अंकक होएत। 10x02=20

खण्ड–ब– लघूत्तरीय 06टा प्रश्न पूछल जाएत, जाहिमेसँ 04 टाक उत्तर दातव्य होएत। प्रत्येक प्रश्न 05 अंकक होएत। 04x05=20

एहि खण्डमे व्याख्यात्मक कोटिक प्रश्न सेहो राखल जा सकैत अछि। एहना स्थितिमे 02 टा लघूत्तरीय आ 02 टा व्याख्यात्मक प्रश्नक उत्तर दातव्य होएत। प्रत्येक 05–05 अंकक होएत। जाहिमे 02टा व्याख्यात्मक लेल 03टा प्रश्न आ 02टा लघूत्तरीय लेल 03टा प्रश्न पूछल जाएत।

खण्ड–स– दीर्घोत्तरीय 05टा प्रश्न पूछल जाएत, जाहिमेसँ 03 टाक उत्तर दातव्य होएत। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकक होएत। 03x10=30

Maithili

MJC-03

Credits -05

Marks- 100

मैथिली साहित्यक मध्यकालीन काव्य

Semester- III

मैथिली साहित्यक मध्यकाल नाटकक अतिरिक्त विद्यापतिक काव्य आ हुनक अनुसरण करत गीतात्मक काव्यक लेल जानल जाइत अछि। गोविन्ददास, उमापति, लोचन आदि प्रमुख परवर्ती कवि भेलाह जनिक गीतकाव्य मैथिलीक अमूल्य धरोहर थिक। एहि कालखण्डमे मनबोधक कृष्णजन्म सेहो तत्कालीन काव्य परम्परासँ भिन्न मुदा अभिनवताक कारणे अद्यावधि उल्लेखनीय अछि। एहि पत्रमे एहि सभ विषयक अध्ययन–मनन–विश्लेषण कएल जाएतः–

इकाइ – 01	व्याख्यान
• विद्यापतिक जीवन ओ साहित्य • विद्यापतिक भक्ति एवं श्रृगार भावना	L - T - P 09 – 02 - 00
इकाइ – 02 • विद्यापतिक काव्य वैशिष्ट्य • विद्यापतिक सम्प्रदाय	12 – 02 – 00

इकाइ – 03 • गोविन्ददासक काव्य वैभव • गोविन्ददासक राधा–कृष्णक भक्ति भाव	09 – 02 – 00
इकाइ – 04 • लोचनक जीवन परिचय • लोचनक रागतरंगिनीक विषय–वस्तु	10 – 02 – 00
इकाइ – 05 • मनबोध ओ हुनक कृष्णजन्म • कृष्णजन्मक कथावस्तु एवं भाषा वैशिष्ट्य	10 – 01 – 00
इकाइ – 06 • विद्यापतिक परवर्ती कविक परिचय • रमापति ओ हर्षनाथ	10 – 01 – 00
Total	60+10+00=70

निर्धारित पोथी :

1. विद्यापति गीतशती – संपादक: उमानाथ झा, साहत्य अकादेमी, नई दिल्ली– पाठ्यांश– आदिसँ 10 पद मात्र
2. गोविन्ददास भजनावली – मैथिली अकादमी– पाठ्यांश– आदिसँ 10 पद मात्र
3. रागतरंगिनी – लोचन
4. कृष्णजन्म – मनबोध

सहायक पोथी :

5. मैथिली साहित्य विमर्श – डा. कुलानन्द झा, प्र.– मिथिला रिसर्च सोसाइटी, लहेरयासराय, दरभंगा
6. मैथिली साहित्यक इतिहास, जयकान्त मिश्र, प्र. – साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
7. मैथिली साहित्यक इतिहास, दुर्गानाथ झा 'श्रीश' प्र. – मिथिला पुस्तक केन्द्र, दरभंगा
8. मैथिली साहित्यक आलोचनात्मक इतिहास, दिनेश कुमार झा, प्र. – मैथिली अकादमी, पटना

MJC-03

विषय:–मैथिली
प्रश्न पत्रक रूपरेखा

पूर्णांक –100
सैद्धान्तिक –70
सी.आइ.ए. –30

खण्ड–अ– अनिवार्य वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पीय कोटिक 10 प्रश्न रहत आ प्रत्येक 02 अंकक होएत। 10x02=20

खण्ड–ब– लघूत्तरीय 06टा प्रश्न पूछल जाएत, जाहिमेसँ 04 टाक उत्तर दातव्य होएत। प्रत्येक प्रश्न 05 अंकक होएत। 04x05=20

एहि खण्डमे व्याख्यात्मक कोटिक प्रश्न सेहो राखल जा सकैत अछि। एहना स्थितिमे 02 टा लघूत्तरीय आ 02 टा व्याख्यात्मक प्रश्नक उत्तर दातव्य होएत। प्रत्येक 05–05 अंकक होएत। जाहिमे 02टा व्याख्यात्मक लेल 03टा प्रश्न आ 02टा लघूत्तरीय लेल 03टा प्रश्न पूछल जाएत।

खण्ड–स– दीर्घोत्तरीय 05टा प्रश्न पूछल जाएत, जाहिमेसँ 03 टाक उत्तर दातव्य होएत। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकक होएत। 03x10=30

Maithili

MIC-03

Credits -03

Marks- 100

मैथिली साहित्यक मध्यकालीन काव्य

Semester- III

मैथिली साहित्यक मध्यकालीन काव्य विद्यापतिक प्रभावसँ आत–प्रोत अछि। सम्पूर्ण पुर्वोत्तर भारतमे हिनक प्रभाव दृष्टिगत होइछ। संस्कृत साहित्यक अभेद्य गढ़कें तोड़ैत जनभाषामे काव्य रचनाक हिनक प्रयास जनमानसकें प्रभावित कएलक। विद्वानसँ अनपढ़ धरि मध्यकालीन कवि लोकनिक आत्मानंभूतिक अभिव्यक्ति पओलक। एहि पत्रमे मध्यकालीन काव्यधाराक अध्ययन कएल जाएत :–

	व्याख्यान
इकाइ – 01	L - T - P
• विद्यापतिक जीवन ओ साहित्य • विद्यापतिक पदमे भक्ति ओ शृंगार भावना	08 – 02 - 00
इकाइ – 02	10 – 01 – 00

• विद्यापतिक बहुमुखी प्रतिभा • विद्यापतिक सम्प्रदाय	
इकाइ – 03 • मनबोध ओ हुनक कृष्णजन्म • कृष्णजन्मक वैशिष्ट्य	10 – 02 – 00
इकाइ – 04 • लोचनक जीवन परिचय • लोचनक रागतरंगिनीक विषय–वस्तु	08 – 01 – 00
Total	36+06+00=42

निर्धारित पोथी :

1. विद्यापति गीतशती – संपादक: उमानाथ झा, साहत्य अकादेमी, नई दिल्ली
   पाठ्यांश– आदिसँ 10 पद मात्र
2. रागतरंगिनी – लोचन
3. कृष्णजन्म – मनबोध
4. मैथिली साहित्य विमर्श – डा. कुलानन्द झा, प्र.– मिथिला रिसर्च सोसाइटी, लहेरयासराय, दरभंगा
5. विद्यापति चेतना – संपादक– रमानन्द झा 'रमण', चेतना समिति

निर्धारित पोथी':

1. मैथिली साहित्य विमर्श – डा. कुलानन्द झा, प्र.– मिथिला रिसर्च सोसाइटी, लहेरयासराय, दरभंगा
2. मैथिली साहित्यक इतिहास, जयकान्त मिश्र, प्र. – साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली

MIC-03

विषय:–मैथिली
प्रश्न पत्रक रूपरेखा

पूर्णक –100
सैद्धान्तिक –70
सी.आइ.ए. –30

खण्ड–अ– अनिवार्य वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पीय कोटिक 10 प्रश्न रहत आ प्रत्येक 02 अंकक होएत। 10x02=20

खण्ड–ब– लघूत्तरीय 06टा प्रश्न पूछल जाएत, जाहिमेसँ 04 टाक उत्तर दातव्य होएत। प्रत्येक प्रश्न 05 अंकक होएत। 04x05=20

एहि खण्डमे व्याख्यात्मक कोटिक प्रश्न सेहो राखल जा सकैत अछि। एहना स्थितिमे 02 टा लघूत्तरीय आ 02 टा व्याख्यात्मक प्रश्नक उत्तर दातव्य होएत। प्रत्येक 05–05 अंकक होएत। जाहिमे 02टा व्याख्यात्मक लेल 03टा प्रश्न आ 02टा लघूत्तरीय लेल 03टा प्रश्न पूछल जाएत।

खण्ड–स– दीर्घोत्तरीय 05टा प्रश्न पूछल जाएत, जाहिमेसँ 03 टाक उत्तर दातव्य होएत। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकक होएत। 03x10=30

Maithili

MJC-04

Credits -04 Marks- 100

आधुनिक मैथिली गद्य (कथा)

Semester- III

मानव सभ्यता ओ संस्कृतिक विकासक संग कथा कहबाक आ सुनबाक परम्परा छल। आधुनिक मैथिली गद्यक विकासमे कथा साहित्यक यथेष्ट योगदान अछि। जनमानसक जीवनक ई चित्र उपस्थित करैत ओहिमे समस्याक समाधान आओर मानव कल्याणर्थ नवीन जीवन–शैलीक सृजन करैछ। एहि पत्रमे उपर्युक्त तथ्यक आलोकमे अध्ययन अपेक्षित अछि।

इकाइ – 01	व्याख्यान

• मैथिली कथा–साहित्यक पृष्ठभूमि एवं विकासक्रम	L - T - P 10 – 01 - 00
इकाइ – 02 • मैथिलीक आरम्भिक कथाक स्थिति एवं प्रवृति • तारक वैधव्य, विवाह, भीषण अन्याय, अकिंचन, अगिलेसुआ, जीवन पथ, प्रतिज्ञा–पत्र • निर्धारित ग्रन्थ : मैथिली कथाक धाप–सं0–रमानंद झा रमण	08 – 01 – 00
इकाइ – 03 • मैथिली कथाक विस्तार, भाषा–शैली एवं समाज • पाँच पत्र, मधुरमनि, रूसल जमाय, सामाक पौती, ओवरलोड, सांझक गाछ, भात, मनुकसंतान, अगुरबान,पिता, इंकलाब • निर्धारित ग्रन्थः कथा संग्रह, मैथिली अकादमी, पटना	08 – 01 – 00
इकाइ – 04 • लिली रेक कथा संग्रह– रंगीन परदा, आरंभसँ पांच कथा	08 – 01 – 00
• विभूति आनन्दक कथा संग्रह –काठ, आरंभसँ पांच कथा	08 – 01 – 00
इकाइ – 06 • मैथिली कथाक दशा–दिशा	08 – 01 – 00
Total	50+06+00=56

निर्धारित पोथी :

1 मैथिली कथाक धाप–सं0–रमानंद झा रमण
2 कथा संग्रह, मैथिली अकादमी, पटना
3 लिली रेक कथा संग्रह– रंगीन परदा, साहित्यिकी प्रकाशन, सरिसवपाही
4 विभूति आनन्दक कथा संग्रह –काठ जखन–तखन प्रकाशन, दरभंगा

सहायक पोथी:

1. आधुनिक साहित्यक परिदृश्य, देवशंकर नवीन, अंतिका प्रकाशन, नई दिल्ली
2. मैथिली साहित्यक रूपरेखा– चेतना समिति, पटना
3. मैथिली कथाक विकास– बासुकीनाथ झा, साहित्य अकादेमी, दिल्ली
4. मैथिली साहित्यक रूपरेखा – संम्पादक – बासुकीनाथ झा, चेतना समिति, पटना

विषयः—मैथिली
प्रश्न पत्रक रूपरेखा

पूर्णांक —100
सैद्धान्तिक —70
सी.आइ.ए. —30

खण्ड—अ— अनिवार्य वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पीय कोटिक 10 प्रश्न रहत आ प्रत्येक 02 अंकक होएत। 10x02=20

खण्ड—ब— लघूत्तरीय 06टा प्रश्न पूछल जाएत, जाहिमेसँ 04 टाक उत्तर दातव्य होएत। प्रत्येक प्रश्न 05 अंकक होएत। 04x05=20

एहि खण्डमे व्याख्यात्मक कोटिक प्रश्न सेहो राखल जा सकैत अछि। एहना स्थितिमे 02 टा लघूत्तरीय आ 02 टा व्याख्यात्मक प्रश्नक उत्तर दातव्य होएत। प्रत्येक 05—05 अंकक होएत। जाहिमे 02टा व्याख्यात्मक लेल 03टा प्रश्न आ 02टा लघूत्तरीय लेल 03टा प्रश्न पूछल जाएत।

खण्ड—स— दीर्घोत्तरीय 05टा प्रश्न पूछल जाएत, जाहिमेसँ 03 टाक उत्तर दातव्य होएत। प्रत्येक प्रश्न 10—10 अंकक होएत। 03x10=30

:

Maithili

MIC-04

Credits -06

Marks- 100

आधुनिक मैथिली गद्य (कथा)

Semester- III

मानव सभ्यता ओ संस्कृतिक विकासक संग कथा कहबाक आ सुनबाक परम्परा छल। आधुनिक मैथिली गद्यक विकासमे कथा साहित्यक यथेष्ट योगदान अछि। जनमानसक जीवनक ई चित्र उपस्थित करैत ओहिमे समस्याक समाधान आओर मानव कल्याणर्थ नवीन जीवन—शैलीक सृजन करैछ। एहि पत्रमे उपर्युक्त तथ्यक आलोकमे अध्ययन अपेक्षित अछि।

इकाइ – 01	व्याख्यान
• मैथिली कथा–साहित्यक विकासक्रम	L - T - P 10 – 02 - 00
इकाइ – 02 • मनमोहन झा ओ हुनक कथामे चित्रित करुण भाव	08 – 01 – 00
इकाइ – 03 • हरिमोहन झा ओ हुनक कथा	10 – 02 – 00
इकाइ – 04 • मैथिली कथाक सामाजिक संदर्भ	08 – 01 – 00
Total	36+06+00=42

निर्धारित पोथी :

1. अश्रुकण – मनमोहन झा, मैथिली अकादमी, पटना
2. एकादशी – हरिमोहन झा– आरम्भसँ 5 कथा मात्र
3. किछु प्रचलित कथा– बिहाड़ि, मधुरमनि, रूसल जमाय, आम खएबाक मुँह, ओवरलोड, साँझक गाछ,
4. मनुक सन्तान, इनकिलाब, घरदेखिया

सहायक पोथी:

1. आधुनिक साहित्यक परिदृश्य, देवशंकर नवीन, अंतिका प्रकाशन, नई दिल्ली
2. मैथिली साहित्यक रूपरेखा – संम्पादक – बासुकीनाथ झा, चेतना समिति, पटना

MIC-04

विषय:–मैथिली
प्रश्न पत्रक रूपरेखा

पूर्णक –100
सैद्धान्तिक –70
सी.आइ.ए. –30

खण्ड–अ– अनिवार्य वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पीय कोटिक 10 प्रश्न रहत आ प्रत्येक 02 अंकक होएत। 10x02=20

खण्ड–ब– लघूत्तरीय 06टा प्रश्न पूछल जाएत, जाहिमेसँ 04 टाक उत्तर दातव्य होएत। प्रत्येक प्रश्न 05 अंकक होएत। 04x05=20

एहि खण्डमे व्याख्यात्मक कोटिक प्रश्न सेहो राखल जा सकैत अछि। एहना स्थितिमे 02 टा लघूत्तरीय आ 02 टा व्याख्यात्मक प्रश्नक उत्तर दातव्य होएत। प्रत्येक 05–05 अंकक होएत। जाहिमे 02टा व्याख्यात्मक लेल 03टा प्रश्न आ 02टा लघूत्तरीय लेल 03टा प्रश्न पूछल जाएत।

खण्ड–स– दीर्घोत्तरीय 05टा प्रश्न पूछल जाएत, जाहिमेसँ 03 टाक उत्तर दातव्य होएत। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकक होएत। 03x10=30

Maithili

MJC-05

Credits -05

Marks- 100

आधुनिक मैथिली गद्य (उपन्यास)

Semester- IV

मैथिली साहित्यमे उपन्यास आधुनिक कालक विधा थिक। उपन्यास संपूर्ण जीवनक मूल्यांकन करैत मानव जीवनक विविध चित्रणकें उद्घाटित करैत अछि। एहि पत्रमे एहि विषयक अध्ययन कएल जाएत।

	व्याख्यान
इकाइ – 01 • मैथिली उपन्यासक परिभाषा, तत्व आ विकासक्रम	L - T - P 10 – 01 - 00
इकाइ – 02 • मैथिलीक आरम्भिक उपन्यास : प्रवृति आ वैशिष्ट्य • मिथिला दर्पण : पुण्यानन्द लालदास	10 – 01 – 00
इकाइ – 03 • हसीना मंजिल उपन्यास ओ उपन्यासकार .	10 – 01– 00
इकाइ – 04 • खोता ओ चिड़ै उपन्यास ओ उपन्यासकार	10 – 01 – 00
इकाइ – 05 • स्वेदजीवी उपन्यास ओ उपन्यासकार	12 – 01 – 00
इकाइ – 06 • मैथिली उपन्यासक वर्तमान परिदृश्य	12– 01– 00
Total	64+06+00=70

निर्धारित पोथी :

1. मिथिला दर्पण : पुण्यानन्द लालदास
2. स्वेदजीवी– मधुकान्त झा
3. हसीना मंजिल – उषा किरण खान
4. खोंता ओ चिड़ै – मायानन्द मिश्र

सहायक पोथी:

5. मैथिली उपन्यास : समय, समाज आ सवाल– प्रो. कमलानन्द झा,
6. मैथिली उपन्यासक विकास – संपादक – अशोक कुमार झा 'अविचल' साहित्य अकादेमी, दिल्ली
7. उपन्यास का शिल्प – डॉ. गोपाल राय, बिहार हिन्दी ग्रंथ अकादमी, पटना
8. वाणी विधान – डॉ. अरुणा चौधरी, यथार्थ पब्लिकेशन, दिल्ली
9. सम्बोधित स्वर – प्रो.(डॉ.) केष्कर ठाकुर
10. कथाक उपन्यास ओ उपन्यासक कथा – अशोक, मैथिली अकादमी पटना

MJC-05

विषयः–मैथिली
प्रश्न पत्रक रूपरेखा

पूर्णक –100
सैद्धान्तिक –70
सी.आइ.ए. –30

खण्ड–अ– अनिवार्य वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पीय कोटिक 10 प्रश्न रहत आ प्रत्येक 02 अंकक होएत। 10x02=20

खण्ड–ब– लघूत्तरीय 06टा प्रश्न पूछल जाएत, जाहिमेसँ 04 टाक उत्तर दातव्य होएत। प्रत्येक प्रश्न 05 अंकक होएत। 04x05=20

एहि खण्डमे व्याख्यात्मक कोटिक प्रश्न सेहो राखल जा सकैत अछि। एहना स्थितिमे 02 टा लघूत्तरीय आ 02 टा व्याख्यात्मक प्रश्नक उत्तर दातव्य होएत। प्रत्येक 05–05 अंकक होएत। जाहिमे 02टा व्याख्यात्मक लेल 03टा प्रश्न आ 02टा लघूत्तरीय लेल 03टा प्रश्न पूछल जाएत।

खण्ड–स– दीर्घोत्तरीय 05टा प्रश्न पूछल जाएत, जाहिमेसँ 03 टाक उत्तर दातव्य होएत। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकक होएत। 03x10=30

Maithili

MIC-05

Credits -03

Marks- 100

आधुनिक मैथिली गद्य (उपन्यास)

Semester- IV

मैथिली साहित्यमे उपन्यास आधुनिक कालक विधा थिक। उपन्यास संपूर्ण जीवनक मूल्यांकन करैत मानव जीवनक विविध चित्राणकें उद्घाटित करैत अछि। एहि पत्रमे एहि विषयक अध्ययन कएल जाएत।

	व्याख्यान
इकाइ – 01	L - T - P
• मैथिली उपन्यासक परिभाषा, तत्व आ विकासक्रम	10 – 02 - 00
इकाइ – 02 • मैथिलीक आरम्भिक उपन्यास : प्रवृत्ति आ वैशिष्ट्य • मिथिला दर्पण : पुण्यानन्द लालदास	08 – 02 – 00
इकाइ – 03 • मनमोहना रे– उषा किरण खान	08 – 02 – 00
इकाइ – 04 • मैथिली उपन्यासक वर्तमान परिदृश्य	08 – 02 – 00
Total	34+08+00=42

निर्धारित पोथी :

1 मिथिला दर्पण : पुण्यानन्द लालदास मैथिली अकादमी, पटना
2 मनमोहना रे– उषा किरण खान

सहायक पोथी:

1 मैथिली उपन्यास : समय, समाज आ सवाल– प्रो. कमलानन्द झा,
2 मैथिली उपन्यासक विकास – संपादक – अशोक कुमार झा 'अविचल' साहित्य अकादेमी, दिल्ली
3 उपन्यास का शिल्प – डॉ. गोपाल राय, बिहार हिन्दी ग्रंथ अकादमी, पटना
4 वाणी विधान – डॉ. अरुणा चौधरी, यथार्थ पब्लिकेशन, दिल्ली
5 सम्बोधित स्वर – प्रो.(डॉ.) केष्कर ठाकुर

MIC-05

विषयः–मैथिली

प्रश्न पत्रक रूपरेखा

पूर्णक –100

सैद्धान्तिक –70

खण्ड–अ– अनिवार्य वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पीय कोटिक 10 प्रश्न रहत आ प्रत्येक 02 अंकक होएत। 10x02=20

खण्ड–ब– लघूत्तरीय 06टा प्रश्न पूछल जाएत, जाहिमेसँ 04 टाक उत्तर दातव्य होएत। प्रत्येक प्रश्न 05 अंकक होएत। 04x05=20

एहि खण्डमे व्याख्यात्मक कोटिक प्रश्न सेहो राखल जा सकैत अछि। एहना स्थितिमे 02 टा लघूत्तरीय आ 02 टा व्याख्यात्मक प्रश्नक उत्तर दातव्य होएत। प्रत्येक 05–05 अंकक होएत। जाहिमे 02टा व्याख्यात्मक लेल 03टा प्रश्न आ 02टा लघूत्तरीय लेल 03टा प्रश्न पूछल जाएत।

खण्ड–स– दीर्घोत्तरीय 05टा प्रश्न पूछल जाएत, जाहिमेसँ 03 टाक उत्तर दातव्य होएत। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकक होएत। 03x10=30

Credits -05

Marks- 100

आधुनिक मैथिली नाट्य साहित्य

Semester- IV

मैथिली साहित्य मध्य नाट्य विधाक परम्परा सुदीर्घ अछि। स्वातंत्र्योत्तर युगमे नाट्य विधा नवीन विचार ओ तकनीकसँ परिमार्जित भ' गेल आ रंगमंचकें आओर बेसी प्रभावकारी बनएबा दिस अग्रसर भेल। समाजकें नव दिशा प्रदान करबामे एहि विधामे नव–नव प्रयोग सार्थक सिद्ध भेल। दृश्य, श्रव्य ओ पाठ्य तीनू गुणसँ परिपूर्ण ई विधा समाजमे बेसी लोकप्रिय भेल। एहि पत्रमे आधुनिक मैथिली नाटकक अवलोकन कएल जाएत।

	व्याख्यान
इकाइ – 01	L - T - P
• आधुनिक मैथिली नाटकक पृष्ठभूमि आ प्रवृति	08 – 02 - 00
इकाइ – 02	10 – 02 – 00
• मैथिली एकांकीक परिभाषा आ विकास यात्रा	
• निर्धारित ग्रन्थ : एकांकी संग्रह, मैथिली अकादमी, पटना	
इकाइ – 03	10 – 02 – 00
• सुन्दर संयोग– जीवन झा	
• परिचय, कथावस्तु, चरित्र चित्रण, शिल्प	
इकाइ – 04	10 – 02 – 00
• उदय नारायण सिंह 'नचिकेता' ओ हुनक नो एन्ट्री मा प्रविश	
• अरविन्द अक्कू : फुटानी चौक	
इकाइ – 05	10 – 02 – 00
• महेन्द्र मलंगिया ओ ओकरा आंगनक बारहमासा	
• परिचय, नाट्यवस्तु, चरित्र चित्रण, शिल्प एवं सामाजिक स्थिति	
इकाइ – 06	10 – 02 – 00
• आधुनिक मैथिली नाटक नव परिदृश्य	
Total	58+12+00=70

निर्धारित पोथी :

1. जीवन झा रचनावली– मैथिली अकादमी, पटनाएकांकी संग्रह, मैथिली अकादमी, पटना, आरम्भसँ पाँचगोट एकांकी
2. नो एन्ट्री मा प्रविश– प्रो. उदय नारायण सिंह 'नचकेता', श्रुति प्रकाशन, दिल्ली
3. ओकरा आंगनक बारहमासा – महेन्द्र मलंगिया
4. फुटानी चौक– अरविन्द अक्कू

सहायक पोथीः

1. मैथिली नाटक ओ रंगमंच – डॉ. प्रेमशंकर सिंह, मैथिली अकादमी, पटना
2. मैथिली नाटक परिचय – डॉ. प्रेमशंकर सिंह, मैथिली अकादमी, पटना
3. मैथिली नाट्य प्रवृत्ति – डॉ. अरुण कुमार सिंह, साहित्यिकी प्रकाशन, मधुबनी
4. निनाद – कमल मोहन चुन्नू – नवारम्भ, पटना
5. मैथिली नाटकक विकास – संपादक– डॉ. देवकान्त झा ओ डॉ. दिनेश कुमार झा, साहित्य अकादेमी

MJC-06

पूर्णांक –100
सैद्धान्तिक –70
सी.आइ.ए. –30

विषयः–मैथिली
प्रश्न पत्रक रूपरेखा

खण्ड–अ– अनिवार्य वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पीय कोटिक 10 प्रश्न रहत आ प्रत्येक 02 अंकक होएत। 10x02=20

खण्ड–ब– लघूत्तरीय 06टा प्रश्न पूछल जाएत, जाहिमेसँ 04 टाक उत्तर दातव्य होएत। प्रत्येक प्रश्न 05 अंकक होएत। 04x05=20

एहि खण्डमे व्याख्यात्मक कोटिक प्रश्न सेहो राखल जा सकैत अछि। एहना स्थितिमे 02 टा लघूत्तरीय आ 02 टा व्याख्यात्मक प्रश्नक उत्तर दातव्य होएत। प्रत्येक 05–05 अंकक होएत। जाहिमे 02टा व्याख्यात्मक लेल 03टा प्रश्न आ 02टा लघूत्तरीय लेल 03टा प्रश्न पूछल जाएत।

खण्ड–स– दीर्घोत्तरीय 05टा प्रश्न पूछल जाएत, जाहिमेसँ 03 टाक उत्तर दातव्य होएत। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकक होएत। 03x10=30

Maithili

MIC-06

Credits -03

Marks- 100

आधुनिक मैथिली नाट्य साहित्य

Semester- IV

मैथिली साहित्य मध्य नाट्य विधाक परम्परा सुदीर्घ अछि। स्वातंत्र्योत्तर युगमे नाट्य विधा नवीन विचार ओ तकनीकसँ परिमार्जित भ' गेल आ रंगमंचकें आओर बेसी प्रभावकारी बनएबा दिस अग्रसर भेल। समाजकें नव दिशा प्रदान करबामे एहि विधामे नव–नव प्रयोग सार्थक सिद्ध भेल। दृश्य, श्रव्य ओ पाठ्य तीनू गुणसँ परिपूर्ण ई विधा समाजमे बेसी लोकप्रिय भेल। एहि पत्रमे आधुनिक मैथिली नाटकक अवलोकन कएल जाएत।

	व्याख्यान
इकाइ – 01	
• आधुनिक मैथिली नाटकक पृष्ठभूमि आ प्रवृत्ति	L - T - P 10 – 02 - 00
इकाइ – 02 • मैथिली एकांकीक परिभाषा आ विकास यात्रा • निर्धारित ग्रन्थ : एकांकी संग्रह, मैथिली अकादमी, पटना	10 – 02 – 00
इकाइ – 03 • परिचय, कथावस्तु, चरित्र चित्रण, शिल्प • सावित्री–सत्यवान – लालदास	08– 02 – 00
इकाइ–04 • परिचय, कथावस्तु, चरित्र चित्रण, शिल्प • सामा–चकेबा –रोहिणी रमण झा	08 – 02 – 00
Total	36+06+00=42

निर्धारित पोथी :

1 सावित्री–सत्यवान – लालदास, मैथिली अकादमी, पटना
2 एकांकी संग्रह, मैथिली अकादमी, पटना , आरम्भसँ पांच एकांकी
3 सामा–चकेबा –रोहिणी रमण झा

सहायक पोथी:

1 मैथिली नाटक ओ रंगमंच – डॉ. प्रेमशंकर सिंह, मैथिली अकादमी, पटना
2 मैथिली नाटक परिचय – डॉ. प्रेमशंकर सिंह, मैथिली अकादमी, पटना
3 मैथिली नाट्य प्रवृत्ति – डॉ. अरुण कुमार सिंह, साहित्यिकी प्रकाशन, मधुबनी
4 निनाद – कमल मोहन चुन्नू , आरम्भ, पटना

5 मैथिली नाटकक विकास – संपादक– डॉ. देवकान्त झा ओ डॉ. दिनेश कुमार झा, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली

6 मैथिली नाटकमे चरित्र सृष्टि –डॉ0 इन्दिरा झा, स्वाति प्रकाशन

MIC-06

विषयः–मैथिली
प्रश्न पत्रक रूपरेखा

पूर्णांक –100
सैद्धान्तिक –70
सी.आइ.ए. –30

खण्ड–अ– अनिवार्य वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पीय कोटिक 10 प्रश्न रहत आ प्रत्येक 02 अंकक होएत। 10x02=20

खण्ड–ब– लघूत्तरीय 06टा प्रश्न पूछल जाएत, जाहिमेसँ 04 टाक उत्तर दातव्य होएत। प्रत्येक प्रश्न 05 अंकक होएत। 04x05=20

एहि खण्डमे व्याख्यात्मक कोटिक प्रश्न सेहो राखल जा सकैत अछि। एहना स्थितिमे 02 टा लघूत्तरीय आ 02 टा व्याख्यात्मक प्रश्नक उत्तर दातव्य होएत। प्रत्येक 05–05 अंकक होएत। जाहिमे 02टा व्याख्यात्मक लेल 03टा प्रश्न आ 02टा लघूत्तरीय लेल 03टा प्रश्न पूछल जाएत।

खण्ड–स– दीर्घोत्तरीय 05टा प्रश्न पूछल जाएत, जाहिमेसँ 03 टाक उत्तर दातव्य होएत। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकक होएत। 03x10=30

Maithili

MJC-07

Credits -05

Marks- 100

आधुनिक मैथिली कविता

Semester- IV

मैथिली साहित्य मध्य आधुनिक मैथिली कविताक अपन विशिष्ट स्थान रहल अछि। ई अपन सार्थकता राष्ट्रीय–अन्तर्राष्ट्रीय क्षितिज पर प्रतिष्ठापित क' रहल अछि। एहि पत्रमे आधुनिक मैथिली कविताक आरम्भ, विकास एवं साहित्यिक प्रभावक अध्ययन एवं आधुनिक मैथिली कविताक सांगोपांग अध्ययन कएल जाएत।

	व्याख्यान
इकाइ – 01	L - T - P
• आधुनिक मैथिली कविताक पृष्ठभूमि, प्रवृति एवं विकास–यात्रा	08 – 02 - 00
इकाइ – 02	10 – 02 – 00
• चन्दा झासँ सुरेन्द्र झा सुमन धरि मैथिली कविताक काव्य–सौन्दर्य	
• निर्धारित ग्रन्थ : कविता संग्रह, मैथिली अकादमी, पटना	
इकाइ – 03	10 – 02 – 00
• यात्रीसँ सुकान्त सोम धरिक मैथिली कविताक काव्य–सौन्दर्य	
• निर्धारित ग्रन्थ : समकालीन मैथिली कविता, साहित्य अकादेमी, दिल्ली	
इकाइ – 04	10 – 02 – 00
• कीर्तिनारायण मिश्र आ हुनक मैथिली कविता संग्रह–'ध्वस्त होइत शान्तिस्तूप '	
इकाइ – 05	10 – 02 – 00
• ज्योत्स्ना चन्द्रम आ हुनक काव्य–संग्रह–'बोनसाइ'	
इकाइ – 06	10 – 02 – 00
• आधुनिक मैथिली कविताक दशा ओ दिशा	
Total	58+12+00=70

निर्धारित पोथी :

1 कविता संग्रह– सम्पादकः आनन्द मिश्र, आरसी प्रसाद सिंह, चन्द्रनाथ मिश्र अमर– मैथिली अकादमी, पटना

2 समकालीन मैथिली कविता, साहित्य अकादेमी, दिल्ली

3 ध्वस्त होइत शान्ति स्तूप –कीर्तिनारायण मिश्र

4 बोनसाइ– ज्योत्स्ना चन्द्रम –जखन तखन प्रकाशन, दरभंगा

सहायक ग्रन्थ :–

1 युग प्रवर्तक कवीश्वर चन्दा झा – सम्पादक– रामलोचन ठाकुर

2 कवीश्वर चन्दा झा :दृष्टि आ सृष्टि– विनय कुमार चौधरी

3 आधुनिक मैथिली कविता – प्रो0 हरिमोहन मिश्र, मैथिली अकादमी, पटना

4 कविता आधुनिक सन्दर्भमे एकर सार्थकता– चेतना समिति, पटना

5 परम्परा एवं आधुनिक कविता– चेतना समिति, पटना

7 मैथिली काव्यक विकास– सम्पादक– सुरेश्वर झा, साहित्य अकादमी, दिल्ली

MJC-07

विषयः–मैथिली
प्रश्न पत्रक रूपरेखा

पूर्णांक –100
सैद्धान्तिक –70
सी.आइ.ए. –30

खण्ड–अ– अनिवार्य वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पीय कोटिक 10 प्रश्न रहत आ प्रत्येक 02 अंकक होएत। 10x02=20

खण्ड–ब– लघूत्तरीय 06टा प्रश्न पूछल जाएत, जाहिमेसँ 04 टाक उत्तर दातव्य होएत। प्रत्येक प्रश्न 05 अंकक होएत। 04x05=20

एहि खण्डमे व्याख्यात्मक कोटिक प्रश्न सेहो राखल जा सकैत अछि। एहना स्थितिमे 02 टा लघूत्तरीय आ 02 टा व्याख्यात्मक प्रश्नक उत्तर दातव्य होएत। प्रत्येक 05–05 अंकक होएत। जाहिमे 02टा व्याख्यात्मक लेल 03टा प्रश्न आ 02टा लघूत्तरीय लेल 03टा प्रश्न पूछल जाएत।

खण्ड–स– दीर्घोत्तरीय 05टा प्रश्न पूछल जाएत, जाहिमेसँ 03 टाक उत्तर दातव्य होएत। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकक होएत। 03x10=30

Maithili

MIC-07

Credits -06

Marks- 100

आधुनिक मैथिली कविता

Semester- IV

मैथिली साहित्य मध्य आधुनिक मैथिली कविताक अपन विशिष्ट स्थान रहल अछि। ई अपन सार्थकता राष्ट्रीय–अन्तर्राष्ट्रीय क्षितिज पर प्रतिष्ठापित क' रहल अछि। एहि पत्रमे आधुनिक मैथिली कविताक आरम्भ, विकास एवं साहित्यिक प्रभावक अध्ययन एवं आधुनिक मैथिली कविताक सांगोपांग अध्ययन कएल जाएत।

	व्याख्यान
इकाइ – 01 • आधुनिक मैथिली कविताक पृष्ठभूमि, प्रवृति एवं विकास–यात्रा.	L - T - P 08– 02 - 00
इकाइ – 02 • चन्दा झासँ सुरेन्द्र झा सुमन धरि मैथिली कविताक काव्य–सौन्दर्य • निर्धारित ग्रन्थ : कविता संग्रह, मैथिली अकादमी, पटना	08 – 01 – 00
इकाइ – 03 • क्षमा करब हे महाकवि – श्याम दरिहरे, आरंभसँ 10 टा मात्र	10– 02 – 00
इकाइ – 04 • एतबे टा नहि – अरुणाभ सौरभ, आरंभसँ 10 मात्र	10 – 01 – 00
Total	36+06+00=42

निर्धारित पोथी :

1. कविता संग्रह– सम्पादक: आनन्द मिश्र, आरसी प्रसाद सिंह, चन्द्रनाथ मिश्र अमर– मैथिली अकादमी, पटना
2. क्षमा करब हे महाकवि – श्याम दरिहरे, आरंभसँ 10 टा मात्र
3. एतबे टा नहि – अरुणाभ सौरभ, आरंभसँ 10 मात्र

सहायक ग्रन्थ :–

1 युग प्रवर्तक कवीश्वर चन्दा झा – सम्पादक– रामलोचन ठाकुर
2 कवीश्वर चन्दा झा :दृष्टि आ सृष्टि– विनय कुमार चौधरी
3 आधुनिक मैथिली कविता – प्रो0 हरिमोहन मिश्र, मैथिली अकादमी, पटना
4 कविता आधुनिक सन्दर्भमे एकर सार्थकता– चेतना समिति, पटना
5 परम्परा एवं आधुनिक कविता– चेतना समिति, पटना
6 मैथिली काव्यक विकास– सम्पादक– सुरेश्वर झा, साहित्य अकादमी, दिल्ली

MIC-07

विषयः–मैथिली
प्रश्न पत्रक रूपरेखा

पूर्णांक –100
सैद्धान्तिक –70
सी.आइ.ए. –30

खण्ड–अ– अनिवार्य वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पीय कोटिक 10 प्रश्न रहत आ प्रत्येक 02 अंकक होएत। 10x02=20

खण्ड–ब– लघूत्तरीय 06टा प्रश्न पूछल जाएत, जाहिमेसँ 04 टाक उत्तर दातव्य होएत। प्रत्येक प्रश्न 05 अंकक होएत। 04x05=20

एहि खण्डमे व्याख्यात्मक कोटिक प्रश्न सेहो राखल जा सकैत अछि। एहना स्थितिमे 02 टा लघूत्तरीय आ 02 टा व्याख्यात्मक प्रश्नक उत्तर दातव्य होएत। प्रत्येक 05–05 अंकक होएत। जाहिमे 02टा व्याख्यात्मक लेल 03टा प्रश्न आ 02टा लघूत्तरीय लेल 03टा प्रश्न पूछल जाएत।

खण्ड–स– दीर्घोत्तरीय 05टा प्रश्न पूछल जाएत, जाहिमेसँ 03 टाक उत्तर दातव्य होएत। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकक होएत। 03x10=30

Maithili

MJC-08

Credits -05

Marks- 100

भाषा विज्ञान

Semester- V

मैथिली भाषा अपन वर्तमान स्वरूप धरि अएबासँ पहिने एकटा नमहर यात्रा पूर्ण कएलक अछि। 2500 ई0 पू0सँ भारतीय भाषा परिवार संस्कृत, अवहट्ठके पार करैत मैथिली एतए धरिक यात्रा कएलक अछि। आइ मैथिली अपन प्रतिष्ठासँ सम्पूर्ण भारतमे एकंटा मानक स्थान प्रतिष्ठापित कएलक अछि। एहि व्यापक भाषाक इतिहास आ वर्तमानक विषयमे एहि पत्रमे समग्रतासँ अध्ययन कएल जाएत।

	व्याख्यान
इकाइ – 01	L - T - P
• भाषाक परिभाषा, विविध रूप, भाषा आ बोली	08 – 02 - 00
इकाइ – 02	10 – 02 – 00
• भाषा विज्ञानक परिभाषा एवं उपयोगिता, भाषा विज्ञान विज्ञान थिक व कला, भाषा विज्ञानक अन्य शास्त्र सभसँ सम्बन्ध (दर्शनशास्त्र, समाजशास्त्र, मनोविज्ञान तथा व्याकरण)	
इकाइ – 03	10 – 02 – 00
• भाषोत्पतिक सिद्धान्त, भाषाक वर्गीकरण एवं भारोपीय भाषा परिवार अ मैथिली	
इकाइ – 04	10 – 02 – 00
• मैथिली भाषा उद्भव ओ विकास, मैथिलीक विभिन्न बोली	

इकाइ – 05 • मैथिलीक पूर्वांचलीय भाषा(असमिया, बंगला, उड़िया, हिन्दी)	10 – 02 – 00
इकाइ – 06 • भाषाक परिवर्तनशीलता	10 – 02 – 00
Total	58+12+00=70

सहायक पोथी :

1 मैथिली भाषा शास्त्र –धीरेन्द्रनाथ मिश्र
2 मैथिली भाषा का विकास –पं0 गोविन्द झा
3 मैथिली भाषा विज्ञान– डॉ0 विजयेन्द्र झा
4 भाषा विज्ञान– भोलानाथ तिवारी
5 भाषा विज्ञान की भूमिका– देवेन्द्र नाथ शर्मा
4 भाषा विज्ञान –शिवाकान्त ठाकुर एवं नवीन चन्द्र मिश्र

MIC-08

Credits -03 पूर्णांक –100
विषय:–मैथिली सैद्धान्तिक –70
प्रश्न पत्रक रूपरेखा सी.आइ.ए. –30

खण्ड–अ– अनिवार्य वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पीय कोटिक 10 प्रश्न रहत आ प्रत्येक 02 अंकक होएत। 10x02=20

खण्ड–ब– लघूत्तरीय 06टा प्रश्न पूछल जाएत, जाहिमेसँ 04 टाक उत्तर दातव्य होएत। प्रत्येक प्रश्न 05 अंकक होएत। 04x05=20

एहि खण्डमे व्याख्यात्मक कोटिक प्रश्न सेहो राखल जा सकैत अछि। एहना स्थितिमे 02 टा लघूत्तरीय आ 02 टा व्याख्यात्मक प्रश्नक उत्तर दातव्य होएत। प्रत्येक 05–05 अंकक होएत। जाहिमे 02टा व्याख्यात्मक लेल 03टा प्रश्न आ 02टा लघूत्तरीय लेल 03टा प्रश्न पूछल जाएत।

खण्ड–स– दीर्घोत्तरीय 05टा प्रश्न पूछल जाएत, जाहिमेसँ 03 टाक उत्तर दातव्य होएत। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकक होएत। 03x10=30

Maithili

MIC-08

Credits -03

Marks- 100

भाषा विज्ञान

Semester- V

मैथिली भाषा अपन वर्तमान स्वरूप धरि अएबासँ पहिने एकटा नमहर यात्रा पूर्ण कएलक अछि। 2500 ई0 पू0सँ भारतीय भाषा परिवार संस्कृत, अवहट्ठके ँ पार करैत मैथिली एतए धरिक यात्रा कएलक अछि। आइ मैथिली अपन प्रतिष्ठासँ सम्पूर्ण भारतमे एकटा मानक स्थान प्रतिष्ठापित कएलक अछि। एहि व्यापक भाषाक इतिहास आ वर्तमानक विषयमे एहि पत्रमे समग्रतासँ अध्ययन कएल जाएत।

	व्याख्यान
इकाइ – 01	L - T - P
• भाषाक परिभाषा, विविध रूप, भाषा आ बोली	08 – 02 - 00
इकाइ – 02	08 – 01 – 00
• भाषा विज्ञानक परिभाषा एवं उपयोगिता, भाषा विज्ञान विज्ञान थिक वक कला, भाषा विज्ञानक अन्य शास्त्र सभसँ सम्बन्ध (दर्शनशास्त्र, समाजशास्त्र, मनोविज्ञान तथा व्याकरण)	

इकाइ – 03 • भाषोत्पतिक सिद्धान्त, भाषाक वर्गीकरण एवं भारोपीय भाषा परिवार आ मैथिली	10– 01 – 00
इकाइ – 04 • मैथिलीक पूर्वांचलीय भाषा(असमिया, बंगला, उड़िया, हिन्दी)	10 – 02 – 00
Total	36+06+00=42

सहायक पोथी :

1 मैथिली भाषा शास्त्र –धीरेन्द्रनाथ मिश्र
2 मैथिली भाषा का विकास –पं0 गोविन्द झा
3 मैथिली भाषा विज्ञान– डॉ0 विजयेन्द्र झा
4 भाषा विज्ञान– भोलानाथ तिवारी
5 भाषा विज्ञान की भूमिका– देवेन्द्र नाथ शर्मा
6 भाषा विज्ञान –शिवाकान्त ठाकुर एवं नवीन चन्द्र मिश्र

MIC-08

विषयः–मैथिली
प्रश्न पत्रक रूपरेखा

पूर्णांक –100
सैद्धान्तिक –70
सी.आइ.ए. –30

खण्ड–अ– अनिवार्य वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पीय कोटिक 10 प्रश्न रहत आ प्रत्येक 02 अंकक होएत। 10x02=20

खण्ड–ब– लघूत्तरीय 06टा प्रश्न पूछल जाएत, जाहिमेसँ 04 टाक उत्तर दातव्य होएत। प्रत्येक प्रश्न 05 अंकक होएत। 04x05=20

एहि खण्डमे व्याख्यात्मक कोटिक प्रश्न सेहो राखल जा सकैत अछि। एहना स्थितिमे 02 टा लघूत्तरीय आ 02 टा व्याख्यात्मक प्रश्नक उत्तर दातव्य होएत। प्रत्येक 05–05 अंकक होएत। जाहिमे 02टा व्याख्यात्मक लेल 03टा प्रश्न आ 02टा लघूत्तरीय लेल 03टा प्रश्न पूछल जाएत।

खण्ड–स– दीर्घोत्तरीय 05टा प्रश्न पूछल जाएत, जाहिमेसँ 03 टाक उत्तर दातव्य होएत। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकक होएत। 03x10=30

Maithili

MJC-09

Credits -05 Marks- 100

आधुनिक मैथिली गद्य (यात्रा, संस्मरण, आत्मकथा)

Semester- V

यात्रा, संस्मरण एवं आत्मकथा आधुनिक मैथिली गद्यक एकटा टटका विधा थिक। एकर अन्तर्गत व्यक्ति अपन यात्राक विषयमे, कोनो व्यक्ति अथवा स्थानक विषयमे वा अपना विषयमे जनतब दैत छथि। एहि माध्यमसँ हमरालोकनि व्यक्ति, इतिहास आ समाजक एक्केसंग सांगोपांग वर्णन करबामे समर्थ होइत छथि। वर्तमानमे एहि तीनू विधामे प्रचूर संख्यामे पोथी लिखा रहल अछि जे एहि विधाकेँ सशक्त करैत अछि। तेँ एहि पत्रमे हमरालोकनि एहि तीनू विधा पर विशद अध्ययन करब।

इकाइ – 01	व्याख्यान
• यात्रा साहित्यक परिभाषा, महत्व एवं विकास	L - T - P 08 – 02 - 00

इकाइ – 02 • रमता योगी– सुभाषचन्द्र यादव • भौगोलिक, सामाजिक, सांस्कृतिक स्थितिक मूल्यांकन	10 – 02 – 00
इकाइ – 03 • संस्मरण साहित्यक परिभाषा, महत्व एवं विकास	10 – 02 – 00
इकाइ – 04 • ओ लोकनि– पंचानन मिश्र	10 – 02 – 00
इकाइ – 05 • आत्मकथा साहित्यक परिभाषा, महत्व एवं विकास	10 – 02 – 00
इकाइ – 06 • हम साहित्यकार ओ सम्पादक– शेखर जी –सम्पादक– शरदिन्दु चौधरी	10 – 02 – 00
Total	58+12+00=70

निर्धारित पोथी :

1 रमता योगी– सुभाषचन्द्र यादव
2 ओ लोकनि– पंचानन मिश्र
3 हम साहित्यकार ओ सम्पादक शेखरजी– सम्पादक– शरदिन्दु चौधरी

MIC-09

विषयः–मैथिली
प्रश्न पत्रक रूपरेखा

पूर्णक –100
सैद्धान्तिक –70
सी.आइ.ए. –30

खण्ड–अ– अनिवार्य वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पीय कोटिक 10 प्रश्न रहत आ प्रत्येक 02 अंकक होएत। 10x02=20

खण्ड–ब– लघूत्तरीय 06टा प्रश्न पूछल जाएत, जाहिमेसँ 04 टाक उत्तर दातव्य होएत। प्रत्येक प्रश्न 05 अंकक होएत। 04x05=20

एहि खण्डमे व्याख्यात्मक कोटिक प्रश्न सेहो राखल जा सकैत अछि। एहना स्थितिमे 02 टा लघूत्तरीय आ 02 टा व्याख्यात्मक प्रश्नक उत्तर दातव्य होएत। प्रत्येक 05–05 अंकक होएत। जाहिमे 02टा व्याख्यात्मक लेल 03टा प्रश्न आ 02टा लघूत्तरीय लेल 03टा प्रश्न पूछल जाएत।

खण्ड–स– दीर्घोत्तरीय 05टा प्रश्न पूछल जाएत, जाहिमेसँ 03 टाक उत्तर दातव्य होएत। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकक होएत। 03x10=30

Maithili

MIC-09

Marks- 100

Credits -04

आधुनिक मैथिली गद्य (यात्रा, संस्मरण, आत्मकथा)

Semester- V

यात्रा, संस्मरण एवं आत्मकथा आधुनिक मैथिली गद्यक एकटा टटका विधा थिक। एकर अन्तर्गत व्यक्ति अपन यात्राक विषयमे, कोनो व्यक्ति अथवा स्थानक विषयमे वा अपना विषयमे जनतब दैत छथि। एहि माध्यमसँ हमरालोकनि व्यक्ति, इतिहास आ समाजक एक्केसंग सांगोपांग वर्णन करबामे समर्थ होइत छथि। वर्तमानमे एहि तीनू विधामे प्रचूर संख्यामे पोथी लिखा रहल अछि जे एहि विधाकेँ सशक्त करैत अछि। तेँ एहि पत्रमे हमरालोकनि एहि तीनू विधा पर विशद अध्ययन करब।

इकाइ – 01	व्याख्यान

• यात्रा साहित्यक परिभाषा, महत्व एवं विकास	L - T - P 13 – 02 - 00
इकाइ – 02 • लोहनासँ लॉस बेगॉस– कीर्तिनाथ झा • भौगोलिक, सामाजिक, सांस्कृतिक स्थितिक मूल्यांकन	13– 01 – 00
इकाइ – 03 • संस्मरण साहित्यक परिभाषा, महत्व एवं विकास • कोसी कातक गंगा – साकेतानन्द	12– 02 – 00
इकाइ – 04 • आत्मकथा साहित्यक परिभाषा, महत्व एवं विकास • कतेक डारि पर – मंत्रेश्वर झा	12 – 01 – 00
Total	50+06+00=56

निर्धारित पोथी :

1 लोहनासँ लॉस बेगॉस– कीर्तिनाथ झा
2 कोसी कातक गंगा – साकेतानन्द
3 कतेक डारि पर – मंत्रेश्वर झा
4 आधुनिक मैथिली साहित्यक इतिहास– देवकान्त झा, साहित्य अकादेमी, दिल्ली

MIC-09

विषय:–मैथिली
प्रश्न पत्रक रूपरेखा

पूर्णक –100
सैद्धान्तिक –70
सी.आइ.ए. –30

खण्ड–अ– अनिवार्य वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पीय कोटिक 10 प्रश्न रहत आ प्रत्येक 02 अंकक होएत। 10x02=20

खण्ड–ब– लघूत्तरीय 06टा प्रश्न पूछल जाएत, जाहिमेसँ 04 टाक उत्तर दातव्य होएत। प्रत्येक प्रश्न 05 अंकक होएत। 04x05=20

एहि खण्डमे व्याख्यात्मक कोटिक प्रश्न सेहो राखल जा सकैत अछि। एहना स्थितिमे 02 टा लघूत्तरीय आ 02 टा व्याख्यात्मक प्रश्नक उत्तर दातव्य होएत। प्रत्येक 05–05 अंकक होएत। जाहिमे 02टा व्याख्यात्मक लेल 03टा प्रश्न आ 02टा लघूत्तरीय लेल 03टा प्रश्न पूछल जाएत।

खण्ड–स– दीर्घोत्तरीय 05टा प्रश्न पूछल जाएत, जाहिमेसँ 03 टाक उत्तर दातव्य होएत। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकक होएत। 03x10=30

Maithili

MJC-10

Credits -04 Marks- 100

महाकाव्य एवं खण्डकाव्य

Semester- VI

प्रबन्ध काव्यक अन्तर्गत महाकाव्य एवं खण्डकाव्य अबैत अछि। ई दुनू काव्य अनुशासित काव्य
कहबैत अछि। मैथिलीमे कवीश्वर चन्दा झासँ आरम्भ भेल मिथिला भाषा रामायण महाकाव्य सय
सरखक यात्रा पूर्ण क' एहि अवधिमे प्रायः सयसँ बेसी महाकाव्य ओ खण्डकाव्य मैथिली
साहित्यक भण्डारमें संचित भेल अछि। एवांर विशेष गुंग रहल अछि जे सर्ग, छन्द, रस,
अलंकार, प्रकृति वर्णनक सामंजस्य करैत हमरालोकनिके ऐतिहासिक अरु पौराणिक पृष्ठभूमि

धरि ल' जाइत अछि। एहि पत्रमे हमरालोकनि किछु एहने महाकाव्य ओ खण्डकाव्यक अध्ययन करब।

	व्याख्यान
इकाइ – 01 • महाकाव्यक परिभाषा, लक्षण एवं विकास	L - T - P 10 – 01 - 00
इकाइ – 02 • मिथिला भाषा रामायण–चन्दा झा, पाठ्यांश– सुन्दरकाण्ड	08 – 01 – 00
इकाइ – 03 • कृष्णचरित– तंत्रनाथ झा • कथावस्तु, चरित्र चित्रण, प्रकृति वर्णन का कवित्व व प्रतिभा	08 – 01 – 00
इकाइ – 04 • खण्डकाव्यक परिभाषा, लक्षण एवं विकास	08 – 01 – 00
इकाइ – 05 • नोर–यागेश्वर झा, मैथिली अकादमी, पटना • कथावस्तु, चरित्र चित्रण, प्रकृति वर्णन का कवित्व व प्रतिभा	08 – 01 – 00
इकाइ – 06 • ईंटउघनी खण्डकाव्य–मनोरंजन झा • कथावस्तु, चरित्र चित्रण, प्रकृति वर्णन का कवित्व व प्रतिभा	08 – 01 – 00
Total	50+06+00=56

सहायक पोथी :

1 मिथिला भाषा रामायण– चन्दा झा, पाठ्यांश– सुन्दरकाण्ड
2 कृष्णचरित– तंत्रनाथ झा, मैथिली अकादमी, पटना
3 नोर– यागेश्वर झा, मैथिली अकादमी, पटना
5 ईंटउघनी– मनोरंजन झा, सत्यप्रकाश, मुरादपुर, सहरसा

सहायक ग्रन्थ :–

1 मैथिली महाकाव्यक उद्भव ओ विकास– शिवशंकर झा कान्त, मैथिली अकादमी, पटना
मैथिली महाकाव्यक प्रतिबिम्ब– डॉ. हीरा मंडल

MJC-10

विषयः–मैथिली
प्रश्न पत्रक रूपरेखा

पूर्णांक –100
सैद्धान्तिक –70
सी.आइ.ए. –30

खण्ड–अ– अनिवार्य वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पीय कोटिक 10 प्रश्न रहत आ प्रत्येक 02 अंकक होएत।

10x02=20

खण्ड–ब– लघूत्तरीय 06टा प्रश्न पूछल जाएत, जाहिमेसँ 04 टाक उत्तर दातव्य होएत। प्रत्येक प्रश्न 05 अंकक होएत।

04x05=20

एहि खण्डमे व्याख्यात्मक कोटिक प्रश्न सेहो राखल जा सकैत अछि। एहना स्थितिमे 02 टा लघूत्तरीय आ 02 टा व्याख्यात्मक प्रश्नक उत्तर दातव्य होएत। प्रत्येक 05–05 अंकक होएत। जाहिमे 02टा व्याख्यात्मक लेल 03टा प्रश्न आ 02टा लघूत्तरीय लेल 03टा प्रश्न पूछल जाएत।

1 **खण्ड–स**– दीर्घोत्तरीय 05टा प्रश्न पूछल जाएत, जाहिमेसँ 03 टाक उत्तर दातव्य होएत। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकक होएत।

03x10=30

Maithili

MIC-10

Credits -04

Marks- 100

महाकाव्य एवं खण्डकाव्य

Semester- VI

प्रबन्ध काव्यक अन्तर्गत महाकाव्य एवं खण्डकाव्य अबैत अछि। ई दुनू काव्य अनुशासित काव्य कहबैत अछि। मैथिलीमे कवीश्वर चन्दा झासँ आरम्भ भेल मिथिला भाषा रामायण महाकाव्य सँ

बरखक यात्रा पूर्ण क' एहि अवधिमे प्रायः सयसँ बेसी महाकाव्य ओ खण्डकाव्य मैथिली साहित्यक भण्डारमे संचित भेल अछि। एकर विशेष गुण रहल अछि जे सर्ग, छन्द, रस, अलंकार, प्रकृति वर्णनक सामंजस्य करैत हमरालोकनिके ऐतिहासिक आ पौराणिक पृष्ठभूमि धरि ल' जाइत अछि। एहि पत्रमे हमरालोकनि किछु एहने महाकाव्य ओ खण्डकाव्यक अध्ययन करब।

	व्याख्यान
इकाइ – 01	L - T - P
• महाकाव्यक परिभाषा, लक्षण एवं विकास	13 – 01 - 00
इकाइ – 02 • मिथिला भाषा रामायण–चन्दा झा, पाठ्यांश– सुन्दरकाण्ड	13 – 01 – 00
इकाइ – 03 • पराशर– कांचीनाथ झा 'किरण' • कथावस्तु, चरित्र चित्रण, प्रकृति वर्णन का कवित्व व प्रतिभा	12– 02 – 00
इकाइ – 04 • खण्डकाव्यक परिभाषा, लक्षण एवं विकास • सीता – रवीन्द्रनाथ ठाकुर'	12 – 02 – 00
Total	50+06+00=56

सहायक पोथी :

1. मिथिला भाषा रामायण– चन्दा झा, पाठ्यांश– सुन्दरकाण्ड
2. कृष्णचरित– तंत्रनाथ झा, मैथिली अकादमी, पटना
3. पराशर– कांचीनाथ झा 'किरण' सीता – रवींन्द्रनाथ ठाकुर

सहायक ग्रन्थ :–

1 मैथिली महाकाव्यक उद्भव ओ विकास– शिवशंकर झा कान्त, मैथिली अकादमी, पटना
2 मैथिली महाकाव्यक प्रतिबिम्ब– डॉ. हीरा मंडल

MIC-10

विषय:–मैथिली
प्रश्न पत्रक रूपरेखा

पूर्णांक –100
सैद्धान्तिक –70
सी.आइ.ए. –30

खण्ड–अ– अनिवार्य वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पीय कोटिक 10 प्रश्न रहत आ प्रत्येक 02 अंकक होएत। 10x02=20

खण्ड–ब– लघूत्तरीय 06टा प्रश्न पूछल जाएत, जाहिमेसँ 04 टाक उत्तर दातव्य होएत। प्रत्येक प्रश्न 05 अंकक होएत। 04x05=20

एहि खण्डमे व्याख्यात्मक कोटिक प्रश्न सेहो राखल जा सकैत अछि। एहना स्थितिमे 02 टा लघूत्तरीय आ 02 टा व्याख्यात्मक प्रश्नक उत्तर दातव्य होएत। प्रत्येक 05–05 अंकक होएत। जाहिमे 02टा व्याख्यात्मक लेल 03टा प्रश्न आ 02टा लघूत्तरीय लेल 03टा प्रश्न पूछल जाएत।

1 खण्ड–स– दीर्घोत्तरीय 05टा प्रश्न पूछल जाएत, जाहिमेसँ 03 टाक उत्तर दातव्य होएत। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकक होएत। 03x10=30

Maithili

MJC-11

Marks- 100

Credits -05

अनुवाद विज्ञान एवं बाल साहित्य

Semester- VI

भारतीय भाषामे अनुवाद एवं बाल साहित्यक अन्यतम स्थान अछि। वर्तमान कालमे अन्य भारतीय भाषा साहित्यमे एहि दुनू क्षेत्रमे प्रचूर काज भ' रहल अछि। मैथिलीओ एहिसँ विमुख नहि अछि। वर्तमान कालमे मैथिली भाषा साहित्य अन्य भाषाक विशिष्ट पोथीक अनुवादसँ समृद्ध भ' रहल अछि। तहिना मैथिली बाल साहित्य एहि बीच मैथिलीमे प्रचुरताक संग मैथिली साहित्यकेँ समृद्ध क' रहल अछि। नैतिकता बोधसँ बाल मनोविज्ञान धरि विस्तृत क्षेत्रकेँ आइ मैथिली बाल साहित्य अपन विषयवस्तु बनौने अछि। तेँ एहि पत्रमे एहि दुनू विषयक विशद अध्ययन कएल जाएत।

	व्याख्यान
इकाइ – 01	L - T - P
• अनुवादक परिभाषा, स्वरूप आ क्षेत्र	10 – 01 - 00
इकाइ – 02 • अनुवादक प्रकृति, प्रकार, प्रक्रिया एवं मैथिली अनुवाद साहित्यक परम्परा • मैथिली अनुवादक समस्या आ समाधान	10 – 01 – 00
इकाइ – 03 • मलाहिन–अनुवादक–रामनारायण सिंह, मूल्यांकन	10 – 01 – 00
इकाइ – 04 • आरण्यक –(अनु0)केष्कर ठाकुर पोथीक मूल्यांकन	10 – 01 – 00
इकाइ – 05 • मैथिली बाल साहित्यक विकासक्रम एवं स्वरूप	12 – 01 – 00
इकाइ – 06 • भारत भाग्य विधाता– प्रेममोहन मिश्र	12– 01– 00
Total	64+06+00=70

1. निर्धारित पोथी :
   1 आरण्यक– अनुदित उपन्यास–केष्कर ठाकुर, साहित्य अकादेमी, दिल्ली
   2 मलाहिन– अनुदित उपन्यास–रामनारायण सिंह, साहित्य अकादेमी, दिल्ली
   3 भारत भाग्य विधाता– बाल साहित्य– प्रेममोहन मिश्र

सहायक ग्रन्थ :–

1 मैथिली अनुवाद साहित्यक सिद्धान्त ओ विवेचन – निक्की प्रियदर्शिनी , नवारम्भ प्रकाशन

2 मैथिली बाल साहित्य– दमन कुमार झा, जखन–तखन प्रकाशन, दरभंगा

3 मैथिली बाल साहित्य– सम्पादक–सत्यनारायण मेहता, चेतना समिति, पटना

MJC-11

विषय:–मैथिली
प्रश्न पत्रक रूपरेखा

पूर्णांक –100
सैद्धान्तिक –70
सी.आइ.ए. –30

खण्ड–अ– अनिवार्य वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पीय कोटिक 10 प्रश्न रहत आ प्रत्येक 02 अंकक होएत। 10x02=20

खण्ड–ब– लघूत्तरीय 06टा प्रश्न पूछल जाएत, जाहिमेसँ 04 टाक उत्तर दातव्य होएत। प्रत्येक प्रश्न 05 अंकक होएत। 04x05=20

एहि खण्डमे व्याख्यात्मक कोटिक प्रश्न सेहो राखल जा सकैत अछि। एहना स्थितिमे 02 टा लघूत्तरीय आ 02 टा व्याख्यात्मक प्रश्नक उत्तर दातव्य होएत। प्रत्येक 05–05 अंकक होएत। जाहिमे 02टा व्याख्यात्मक लेल 03टा प्रश्न आ 02टा लघूत्तरीय लेल 03टा प्रश्न पूछल जाएत।

1 **खण्ड–स–** दीर्घोत्तरीय 05टा प्रश्न पूछल जाएत, जाहिमेसँ 03 टाक उत्तर दातव्य होएत। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकक होएत। 03x10=30

Marks- 100

Credits -05

आधुनिक मैथिली गद्य (पत्र–पत्रिका, निबन्ध, समालोचना)

Semester- VI

मैथिली पत्र–पत्रिकाक एकगोट सुदीर्घ परम्परा रहल अछि जाहि मध्य आधुनिक मैथिली गद्यक सुस्थापित कएल गेल। ओही क्रममे निबन्ध ओ समालोचनाक शाखा सम्पुष्ट भेल। वर्तमानमे पत्र–पत्रिका, निबन्ध ओ समालोचना साहित्य आधुनिक मैथिली गद्य साहित्यक एकगोट अपरिहार्य अंग बनि गेल अछि। तेँ एहि पत्रमे एहि तीनू विधाक विशद अध्ययन कएल जाएत।

	व्याख्यान
इकाइ – 01	L - T - P
• पत्र–पत्रिकाक प्रकार, महत्व एवं विकास	10 – 01 - 00
इकाइ – 02 • मिथिला मोद, मिथिला मिहिर, वैदेही, मिथिला दर्शन भारती मंडन, घर–बाहर पत्रिकाक साहित्यिक संवर्धनमे योगदान	10 – 01 – 00
इकाइ – 03 • निबन्धक परिभाषा, प्रभेद एवं विकास यात्रा	10 – 01– 00
इकाइ – 04 • समालोचनाक पृष्ठभूमि, प्रकार एवं विकास	10 – 01 – 00
इकाइ – 05 • संकलन–मैथिली अकादमी, पटना पाठ्यांश– विद्या, अगहन–पूस, भारतीय दर्श महत्व, आदान–प्रदान, साहित्य ककरा कही ?, सभ्यता ओ संस्कृति, साहित्यमे प्रयोगक वास्तविकता, इतिहास देवताक आह्वान, देवतात्मा हिमालय, आधुनिक बोध	12 – 01 – 00
इकाइ – 06 • प्रमुख समीक्षकक मूल्यांकन–रमानाथ झा, मोहन भारद्वाज आ रमानंद झा रमण	12– 01– 00
Total	64+06+00=70

निर्धारित पोथी :

1 संकलन– सं0–शैलेन्द्रमोहन झा, विद्यानाथ झा विदित, शिवशंकर झा कान्त, मैथिली अकादमी, पटना
2 मैथिली पत्रकारिताक इतिहास– चन्द्रनाथ मिश्र अमर, मैथिली अकादमी, पटना
3 समालोचना शास्त्र– जयधारी सिंह; मैथिली अकादमी, पटना

सहायक ग्रन्थ :–
1 मैथिली गद्यक विकास–सं0–मोहन भारद्वाज, साहित्य अकादेमी, दिल्ली

2 प्रबन्ध संग्रह–प्रो0 रमानाथ झा

3 आचार्य रमानाथ झा ओ मैथिली आलोचना– इन्दुधर झा, समीक्षा प्रकाशन, मुजफ्फरपुर

4 मैथिली आलोचना साहित्यक समकालीन प्रवृतिः विश्लेषण–राजकुमार झा, सारस्वत प्रकाशन, मुजफ्फरपुर

5 मैथिली पत्र–पत्रिका–सं0–मोहन भारद्वाज, साहित्य अकादेमी, दिल्ली

6 मैथिली आलोचना–सं0–अशोक, चेतना समिति, पटना

MJC-12

विषयः–मैथिली
प्रश्न पत्रक रूपरेखा

पूर्णांक –100
सैद्धान्तिक –70
सी.आइ.ए. –30

खण्ड–अ– अनिवार्य वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पीय कोटिक 10 प्रश्न रहत आ प्रत्येक 02 अंकक होएत। 10x02=20

खण्ड–ब– लघूत्तरीय 06टा प्रश्न पूछल जाएत, जाहिमेसँ 04 टाक उत्तर दातव्य होएत। प्रत्येक प्रश्न 05 अंकक होएत। 04x05=20

एहि खण्डमे व्याख्यात्मक कोटिक प्रश्न सेहो राखल जा सकैत अछि। एहना स्थितिमे 02 टा लघूत्तरीय आ 02 टा व्याख्यात्मक प्रश्नक उत्तर दातव्य होएत। प्रत्येक 05–05 अंकक होएत। जाहिमे 02टा व्याख्यात्मक लेल 03टा प्रश्न आ 02टा लघूत्तरीय लेल 03टा प्रश्न पूछल जाएत।

1 **खण्ड–स–** दीर्घोत्तरीय 05टा प्रश्न पूछल जाएत, जाहिमेसँ 03 टाक उत्तर दातव्य होएतं। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकक होएत। 03x10=30

Maithili

MJC-13

Credits -05

Marks- 100

काव्यशास्त्र

Semester- VII

भारतीय काव्यशास्त्रक परम्परा प्राचीन रहल अछि। मैथिली साहित्य मध्य सेहो एही काव्यशास्त्रीय परम्पराक अनुगमन कएल जाइत अछि। साहित्यक शास्त्रीय विवेचनमे भारतीय काव्यशास्त्रक भूमिका महत्वपूर्ण अछि। एहि पत्रमे काव्यशास्त्रक विविध सैद्धान्तिक पक्षक अध्ययन कएल जाएत।

	व्याख्यान
इकाइ – 01	L - T - P
• काव्यक परिभाषा एवं भेद	10 – 01 - 00
इकाइ – 02 • काव्यक प्रयोजन एवं तत्व	10 – 01 – 00
इकाइ – 03 • शब्दशक्ति एवं गुण	10 – 01– 00
इकाइ – 04 रसक परिभाषा, भेद आ भाव	10 – 01 – 00
इकाइ – 05 • छंदक परिभाषा, प्रभेद एवं प्रमुख छंद–दोहा, सोरठा, सवैया, चौपाइ, रोला, मं	12 – 01 – 00
इकाइ – 06 अलंकारक परिभाषा, वर्गीकरण एवं प्रमुख अलंकार–उपमा, यमक, उत्प्रेक्षा रूपक, श्लेष, विभावना, अनुप्रास, संदेह	12– 01– 00
Total	64+06+00=70

सहायक पोथी :

1 मैथिली काव्यशास्त्र–दिनेश कुमार झा, मैथिली अकादमी, पटना
2 मैथिली काव्यशास्त्र– इन्द्रकान्त झा
3 काव्यशास्त्रक रूपरेखा–धीरेश्वर झा धीरेन्द्र
4 रस परिचय– किशोर नाथ झा
5 अलंकार दर्पण– सीताराम झा
6 काव्य मीमांसा– जयधारी सिंह
7 अलंकार भास्कर– रमण झा

MJC-13

विषयः–मैथिली
प्रश्न पत्रक रूपरेखा

पूर्णक –100
सैद्धान्तिक –70
सी.आइ.ए. –30

खण्ड–अ– अनिवार्य वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पीय कोटिक 10 प्रश्न रहत आ प्रत्येक 02 अंकक होएत। 10x02=20

खण्ड–ब– लघूत्तरीय 06टा प्रश्न पूछल जाएत, जाहिमेसँ 04 टाक उत्तर दातव्य होएत। प्रत्येक प्रश्न 05 अंकक होएत। 04x05=20

एहि खण्डमे व्याख्यात्मक कोटिक प्रश्न सेहो राखल जा सकैत अछि। एहना स्थितिमे 02 टा लघूत्तरीय आ 02 टा व्याख्यात्मक प्रश्नक उत्तर दातव्य होएत। प्रत्येक 05–05 अंकक होएत। जाहिमे 02टा व्याख्यात्मक लेल 03टा प्रश्न आ 02टा लघूत्तरीय लेल 03टा प्रश्न पूछल जाएत।

1 **खण्ड–स–** दीर्घोत्तरीय 05टा प्रश्न पूछल जाएत, जाहिमेसँ 03 टाक उत्तर दातव्य होएत। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकक होएत। 03x10=30

Maithili

MJC-14

Credits -06

Marks- 100

शोध–पद्धति

Semester- VII

एहि पत्रमे पाठ्यक्रम निर्धारित नहि होएत।

Maithili

MJC-15

Credits -06 Marks- 100

एकैसम शताब्दीक मैथिली साहित्य (कविता, कथा)

Semester- VII

एकैसम शताब्दीमे मैथिली साहित्य कतेको विधाक रूपमे गतिमान अछि। एहि शताब्दीमे बहुतो नव–नव कवि आ कथाकारलोकनि बदलैत समाजक परिदृश्यके विषयवस्तुक आधार बनौलनि जे बजारबाद ओ भूमण्डलीकरणक कारणे बदलैत समाजक मानसिकताके सोझाँ अनलनि अछि। एहि पत्रमे किछु एहने महत्वपूर्ण रचनाक अध्ययन कएल जाएत।

	व्याख्यान
इकाइ – 01	
• एकैसम शताब्दीक कवितामे बदलैत स्वर, सामाजिक ओ आर्थि परिदृश्यक मूल्यांकन	L - T - P 12 – 02 - 00
इकाइ – 02 • पेनड्राइवमे पृथ्वी– अजीत आजाद, पाठ्यांश– पहिल पन्द्रह कविता	12 – 02 – 00
इकाइ – 03 • गेल्ह सभ झाड़ैत अछि पाँखि–मेनका मल्लिक, पाठ्यांश–पहिल दस कवि	12 – 02 – 00
इकाइ – 04 एकैसम शताब्दीमे कथाक बदलैत स्वर, सामाजिक ओ आर्थिक परिदृश्यक मूल्यांकन	12 – 02 – 00
इकाइ – 05 • आधा आबादी– नीता झा	12 – 02 – 00
इकाइ – 06 भातवर– अशोक	12 – 02 – 00

Total	72+12+00=84

निर्धारित पोथी :

1 पेनड्राइवमे पृथ्वी– अजीत आजाद

2 गेल्ह सभ झाड़ैत अछि पाँखि–मेनका मल्लिक

3 आधा आबादी– नीता झा

4 मातबर– अशोक

सहायक ग्रन्थ :–

1 सम्प्रति –सं0–अशोक कुमार मेहता

2 कोसा– सं0–इन्दुधर झा एवं विजयेन्द्र झा

4 शताब्दीक संधिबेलामे मैथिली साहित्यक उत्कर्ष –सं0–मधुकान्त झा, चेतना समिति, पटना

MJC-15

विषय:–मैथिली
प्रश्न पत्रक रूपरेखा

पूर्णांक –100
सैद्धान्तिक –70
सी.आइ.ए. –30

खण्ड–अ– अनिवार्य वस्तुनिष्ठ/बहुविकल्पीय कोटिक 10 प्रश्न रहत आ प्रत्येक 02 अंकक होएत। 10x02=20

खण्ड–ब– लघूत्तरीय 06टा प्रश्न पूछल जाएत, जाहिमेसँ 04 टाक उत्तर दातव्य होएत। प्रत्येक प्रश्न 05 अंकक होएत। 04x05=20

एहि खण्डमे व्याख्यात्मक कोटिक प्रश्न सेहो राखल जा सकैत अछि। एहना स्थितिमे 02 टा लघूत्तरीय आ 02 टा व्याख्यात्मक प्रश्नक उत्तर दातव्य होएत। प्रत्येक 05–05 अंकक होएत। जाहिमे 02टा व्याख्यात्मक लेल 03टा प्रश्न आ 02टा लघूत्तरीय लेल 03टा प्रश्न पूछल जाएत।

1 खण्ड–स– दीर्घोत्तरीय 05टा प्रश्न पूछल जाएत, जाहिमेसँ 03 टाक उत्तर दातव्य होएत। प्रत्येक प्रश्न 10–10 अंकक होएत। 03x10=30

Maithili

MJC-16

Credits -04 Marks- 100

मैथिली साहित्यमे विमर्श (स्त्री,दलित)

Semester- VIII

आधुनिक मैथिली साहित्यमे स्त्री विमर्श ओ दलित चेतनाक भाव विशेष रूपसँ दृष्टिगोचर भ' रहल अछि। मैथिली साहित्य मध्य एहि दुनूक प्रयोजन प्रासंगिक अछि। एहि दिस वर्तमान साहित्यकारलोकनिक ध्यान विशेष रूपसँ आकृष्ट भेलनि अछि। मैथिली साहित्यमे एहि नवीन विषयवस्तुसँ अवगत करएबाक हेतु एहि पत्रमे एहि विषयक सम्यक अध्ययन कएल जाएत।

	व्याख्यान
इकाइ – 01 • स्त्री विमर्शक अवधारणा, मैथिली साहित्यमे स्थिति ओ अपेक्षा	L - T - P 10 – 01 - 00
इकाइ – 02 • दलित विमर्शक अवधारणा, मैथिली साहित्यमे स्थिति ओ अपेक्षा	08 – 01 – 00
इकाइ – 03 • साक्षी रहथु हे छठि मइया– विभा रानी	08 – 01 – 00
इकाइ – 04 नहि किछु नहि– लालपरी देवी	08 – 01 – 00
इकाइ – 05 • दलित विमर्श –महेन्द्र नारायण राम	08 – 01 – 00
इकाइ – 06 मैथिली साहित्यमे दलित एवं स्त्री विमर्शक प्रासंगिकता	08 – 01 – 00

Total	50+06+00=56

निर्धारित पोथी :

1 साक्षी रहथु हे छठि मइया– विभा रानी
2 नहि किछु नहि– लालपरी देवी
3 दलित विमर्श –महेन्द्र नारायण राम

सहायक पोथी

1. आधुनिक मैथिली साहित्यमे नारी विमर्श– सं0–कलानाथ झा
2 मैथिली दलित लोकगाथा ओ संस्कृति– सं0– प्रो0 शिवप्रसाद यादव–साहित्य अकादेमी, दिल्ली
3 मैथिली उपन्यासमे दलित विमर्श–सुरेश पासवान, नवारम्भ प्रकाशन
4 आधुनिक मैथिली साहित्यमे महिला लेखिकाक योगदान–उषा चौधरी, सोनल प्रकाशन
5 शोधार्थी – संपादक – प्रो. केष्कर ठाकुर,